Title: Regarding of admission in the Kendriya Vidyalayas under MP(s) quota.

श्री दिनेश चन्द्र यादव (सहरसा) : उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपका ध्यान सांसदों को मिली सुविधा से सम्बन्धित विाय की ओर दिलाना चाहता हूं। सभी सांसदों को केन्द्रीय विद्यालय में, जिनके क्षेत्र में वे विद्यालय हैं, दो छात्रों के नामांकन करने के लिए केन्द्रीय विद्यालय संगठन की ओर से कूपन भेजे गए हैं। मुझे भी कूपन मिला जिसमे कहा गया कि 20.7.2001 तक दो छात्रों के नामांकन हेतु अनुशंसा भेजें। मैंने 18.7.2001 को ही नेहा कुमारी, वर्ग 4 और आशीा कुमार वर्ग 3 के नाम उनको भेज दिए। उनका 23 जुलाई 2001 को जवाब मिला कि आपके द्वारा अनुशंसित छात्रों का नामांकन करने के लिए केन्द्रीय विद्यालय, सहरसा के प्राचार्य को पत्र लिखा गया है, उसकी कापी मुझे भी दी गई।

लेकिन मुझे जानकारी मिली कि 31 जुलाई 2001 को पत्र वहां मिला और वहां प्रिसिपल कहते हैं कि नामांकन की तिथि का आज अंतिम दिन था, इसलिए अब हम नामांकन नहीं लेंगे।â€¦(व्यवधान) जो विद्यार्थी इस आस में था कि मेरा नाम केन्द्रीय विद्यालय में होगा, चूंकि सभी विद्यालयों में नामांकन हो गये हैं, उसके भविय का क्या होगा । इसलिए उपाध्यक्ष महोदय, हम आपसे संरक्षण चाहते हैं कि सांसद को प्रीविलेज दिया गया है कि वे दो छात्रों के नामांकन की अनुशंसा कर सकते

* Not recorded.

हैं और हमने समय सीमा के अंदर अनुशंसा की लेकिन अब उनका नामांकन नहीं हो रहा है।â€¦(व्यवधान) इसलिए हम चाहते हैं कि सरकार को निर्देश दिया जाये कि केन्द्रीय विद्यालय संगठन के लोग जो गलत नीति चला रहे हैं, सरकार उसको देखे और हमने जिन विद्यार्थियों के नामांकन की अनुशंसा की है, उनका नामांकन हो, ऐसी व्यवस्था हम चाहते हैं।â€¦(व्यवधान)

डा. मदन प्रसाद जायसवाल : मैंने भी नामांकन के लिए अनुशंसा की थी और पत्र आ गया कि आपके कैंडीडेट का नामांकन नहीं हुआ।â€¦(व्यवधान) हमारे भी दो कैंडीडेट का नामांकन नहीं हुआ।

â€¦(व्यवधान) पत्र आ गया कि अब एडमिशन नहीं होगा।â€¦(व्यवधान)

श्री राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव : सरकार को सूचना देनी चाहिए।â€¦(व्यवधान)

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव (झंझारपुर) : सरकार को सूचना देनी चाहिए क्योंकि केवल एक सांसद का मामला नहीं है।â€¦(व्यवधान) सभी सांसदों की इस बारे में शिकायत है।â€¦(व्यवधान)

MR. DEPUTY-SPEAKER: The hon. Minister may take note of this.

श्री राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव : उपाध्यक्ष महोदय, यह सांसद के अधिकार के लिए ठीक नहीं है।â€¦(व्यवधान) It is a very serious matter.

उपाध्यक्ष महोदय : पप्पू यादव जी, कभी सुनने की भी कृपा किया करें।

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री संतोा कुमार गंगवार) : यह विाय कुछ दिन पूर्व भी सदन में उठाया गया था। मैं माननीय मंत्री जी के संज्ञान में इसे लाकर जो भी माननीय सदस्यों की समस्याएं हैं, उनका निराकरण करवाऊंगा।â€¦(व्यवधान)